SHRI BARRY JOHN

Shri Barry John is the Director of The Free Birds Collective that currently conducts training programs for actors of stage and screen.

2. Born on 2nd February, 1946 in Coventry, UK., Shri Barry's passion for acting was manifested throughout his school career and led to his qualification as a teacher of Drama at Bretton Hall College, Leeds University in 1967. After teaching for a year, he came to India in 1968. For the first two years, he was with a voluntary service agency and trained teachers of English in Bangalore, Coimbatore and Mysore. While in Bangalore he began acting with local theatre groups. In 1970, he shifted to Delhi to join Yatrik Theatre Group. As well as acting and directing, he initiated workshops for children of all ages and also directed a number of plays for Delhi University colleges.

3. In 1973, Shri Barry co-founded Theatre Action Group (TAG), one of Delhi's most active repertory companies over the next 25 years. It was during this period that he explored the application of Drama to the needs of specially abled and socially disadvantaged groups.

4. Shri Barry also served on the faculty of the National School of Drama, first as Asst. Professor of Western Drama (1977-1980) and then as Founder-Director of the NSD's Theatre-in-Education Company (1989-1992). He has made occasional forays into the film industry. Films he has acted in include "Gandhi", "Shatranj Ke Khilari", "Tamas", "Massey Sahib", "Chittagong" and "Tere Bin Laden".

5. Shri Barry has been awarded by Delhi Natya Sangh, Sahitya Kala Parishad, and Sangeet Natak Akademi. Recently, he was awarded an Honorary Doctoral Degree by ITM University, Gwalior.

श्री बैरी जॉन

श्री बैरी जॉन, द फ्री बड्र्स कलेक्टिव के निदेशक हैं, जो वर्तमान में रंगमंच और स्क्रीन अभिनेताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

2. 2 फरवरी, 1946 को कोवेंट्री, यू.के. में जन्मे, श्री बैरी का अभिनय के प्रति जुनून उनके स्कूली जीवन के दौरान ही प्रकट हो गया था और उन्होंने 1967 में लीड्स विश्वविद्यालय के ब्रेटन हॉल कॉलेज में नाटक के शिक्षक के रूप में योग्यता प्राप्त की। एक वर्ष तक पढ़ाने के बाद वह 1968 में भारत आ गए। पहले दो वर्षों तक वह एक स्वैच्छिक सेवा एजेंसी के साथ रहे और बैंगलोर, कोयंबटूर तथा मैसूर में अंग्रेजी के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। बैंगलोर में रहते हुए उन्होंने स्थानीय थिएटर समूहों के साथ अभिनय करना शुरू किया। 1970 में वह यात्रिक थिएटर ग्रुप में शामिल होने दिल्ली चले गए। अभिनय और निर्देशन के साथ–साथ उन्होंने सभी उम्र के बच्चों के लिए कार्यशालाएँ शुरू कीं और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के लिए कई नाटकों का निर्देशन भी किया।

3. 1973 में श्री बैरी ने थिएटर एक्शन ग्रुप (टैग) की सह–स्थापना की, जो अगले 25 वर्षों में दिल्ली की सबसे सक्रिय रिपर्टरी कंपनियों में से एक रही। इसी अवधि के दौरान उन्होंने दिव्यांग एवं सामाजिक तौर पर वंचित समूह की जरूरतों के लिए नाटक के इस्तेमाल की संभावनाओं को खंगाला।

4. श्री बैरी ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के संकाय में, पहले पश्चिमी नाटक के सहायक प्रोफेसर (1977–1980) और फिर एनएसडी की थिएटर–इन–एजुकेशन कंपनी के संस्थापक–निदेशक (1989–1992) के रूप में भी काम किया। उन्होंने बीच–बीच में फिल्म उद्योग में भी योगदान दिया। उन्होंने "गांधी", "शतरंज के खिलाडी", "तमस", "मैसी साहब", "चटगांव" और "तेरे बिन लादेन" फिल्मों में अभिनय किया है।

5. श्री बैरी को दिल्ली नाट्य संघ, साहित्य कला परिषद और संगीत नाटक अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया गया है। हाल ही में उन्हें आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है।